प्रखर सिद्धांतों पर आधारित पुणे और मुंबई से प्रकाशित एकमात्र हिंदी दैनिक

सिद्धांत समाचार

वर्ष १८ — अंक ७७ — बुधवार २ अगस्त २०२३ | पुणे | RNI NO.MAH HIN/2005/15277 | २ रूपए

siddhantsamachar.com | @SiddhantSamachar | facebook.com/siddhantsamachar | siddhantsamachar@gmail.com

CAYM EDUCATION TRUST'S

SIDDHANT GROUP OF INSTITUTIONS

APPROVED BY AICTE, PCI - NEW DELHI, Affiliated to Savitribai Phule Pune University, MSBTE, RECOGNISED BY GOVT.OF MAHARASHTRA

"Empowering Students to Become Future Leaders....."

Admissions Open: 2023-2024

Courses offered by Siddhant Group of Institution.

COURSES		INTAKE	DTE CODE
Siddhant College Of Engineering*	Diploma (AI&ML, Electrical, Mechanical, E&TC, Computer, Civil)	360	6149
	B. E. (Mechanical, Computer, I.T., E&TC, Civil)	360	
	M.E. (E&TC (VLSI), I T, Computer, Design Engineering)	84	
Siddhant College of Pharmacy*	B. Pharmacy.	100	PH - 6258
	M. Pharmacy.	24	MPH -6258
	Diploma Pharmacy.	60	D - 6515
	Diploma Pharmacy [Women].	60	D - 6922
Siddhant College Of Management*	M. B. A. (Master of Business Administration)	180	6134
Siddhant College Of Computer Application	M. C. A. (Master of Computer Application)	120	6240
Siddhant International School	Nursery to XII (CBSE Affiliated)	-	-
Siddhant College of Management Studies*	B. B. A. – (Bachelor of Business Administrator)	80	----
	B. B. A. [C. A.] – (Bachelor of Computer Application)	80	----
	B.A. (Bachelor of Arts)	80	
	B.Sc. (Bachelor of Science)	80	----
	B. Com (Bachelor of Commerce)	80	----
	M. Com (Master of Commerce)	60	----
	Post Graduate Diploma in Banking & Finance	60	----
	Post Graduate Diploma in Taxation	60	

* NAAC Accredited Institutes. | 100% Placement Assistance | www.siddhantinstitutes.in

For Admission Assistance please Contact following numbers:

Pharmacy :	M.B.A.:	M.C .A. :	Management Studies:	Engineering. :
Mrs. Shanan Yadav 84688 55688	Dr. Pratap Pawar 9423270598	Prof. Nitin Shrirao 9850005059	Dr. Yogesh Patil 9689493733	Prof. Bhagwat Kedar 9923906993

- Boys & Girls Hostel Facility Available in Campus
- Transport Facility Available from various locations of Pune & Pimpri -Chinchwad & Khed

Address: Chakan – Talegaon Road., Near Chakan Auto Hub, Sudumbare, Pune, 412109

कॉनकॉर्ड बायोटेक लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग शुक्रवार, 4 अगस्त, 2023 को खुलेगा

गुजरात स्थित 'कॉनकॉर्ड बायोटेक लिमिटेड', देश–आधारित जैव प्रौद्योगिकी कंपनी है और बाजार की हिस्सेदारी के मामले में इम्यूनोसप्रेसेन्ट्स और ऑन्कोलॉजी में चुनिंदा किण्वन–आधारित एपीआई'ज के अग्रणी वैश्विक डेवलपर्स और निर्माताओं में से एक है, जिसने 2022 में वॉल्यूम के आधार पर अपनी पहली सार्वजनिक पेशकश के लिए प्रति इक्विटी शेयर 705 से 741 मूल्य बैंड निर्धारित किया है। कंपनी का इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग सब्सक्रिप्शन के लिए शुक्रवार, 4 अगस्त, 2023 को खुलेगा और मंगलवार, 8 अगस्त, 2023 को बंद होगा। निवेशक न्यूनतम 20 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 20 इक्विटी शेयरों के गुणक में बिड लगा सकते हैं। प्रति इक्विटी शेयर घ1 के फेस मूल्य का सार्वजनिक निर्गम पूरी तरह से हेलिक्स इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स पीटीई. लिमिटेड के द्वारा 20.92 मिलियन शेयरों तक की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) है। ऑफर में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए आरक्षण भी शामिल है। कंपनी अपने आईपीओ के जरिए मूल्य बैंड के निचले और ऊपरी छोर पर 1475.26 करोड़ रुपये – 1550.59 करोड़ रुपये प्राप्त करेगी। कॉनकॉर्ड बायोटेक बायो–फार्मास्युटिकल एपीआई'ज और फॉर्मूलेशन्स की एक वैश्विक आपूर्तिकर्ता है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप, जापान और भारत जैसे विनियमित बाजारों सहित, 70 से अधिक देशों में काम कर रही है। फ्रॉस्ट और सुलिवान की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी के पास मुपिरोसिन, सिरोलिमस, टैक्रोलिमस, माइकोफेनोलेट सोडियम, और साइक्लोस्पोरिन सहित किण्वन–आधारित एपीआई उत्पादों के लिए 2022 में वॉल्यूम के हिसाब से 20: से अधिक की प्रभावी बाजार हिस्सेदारी है। इसकी पर्याप्त सफलता का श्रेय 31 मार्च, 2023 तक 1,250 एम3 की कुल स्थापित किण्वन क्षमता को दिया जा सकता है। इसके अलावा, कॉनकॉर्ड बायोटेक ने भारत और नेपाल, मैक्सिको, इंडोनेशिया, थाईलैंड, इक्वाडोर, केन्या, सिंगापुर, और पैराग्वे जैसे उभरते बाजारों में फॉर्मूलेशन के व्यवसाय में प्रवेश करके अपनी पहुंच का विस्तार किया। कंपनी किण्वन और सेमी–सिंथेटिक प्रक्रियाओं के जरिए बायो–फार्मास्युटिकल एपीआई'ज के निर्माण में माहिर है, जिसमें इम्यूनोसप्रेसेन्ट्स, ऑन्कोलॉजी, और एंटी–इन्फेक्टिव्स जैसे चिकित्सीय क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसके अतिरिक्त, वे इम्यूनोसप्रेसेन्ट्स, नेफ्रोलॉजी दवाओं, और एंटी–इन्फेक्टिव दवाओं जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण देखभाल के लिए फॉर्मूलेशन्स देते हैं। कॉनकॉर्ड बायोटेक की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ अपने 23 एपीआई उत्पादों वाले विविध पोर्टफोलियो से स्पष्ट हैं। कंपनी ने विनियामक फाइलिंग्स में बड़ी प्रगति की है, 30 जून, 2023 तक संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप, और जापान में पर्याप्त फाइलिंग्स के साथ विभिन्न देशों में 128 ड्रग मास्टर फाइल्स (''डीएमएफ'ज'') दर्ज की हैं। वित्तीय रूप से, वित्तीय वर्ष 2023 में संचालन से कंपनी का राजस्व पिछले वर्ष में 712.93 करोड़ से 19.67: बढ़कर 853.17 करोड़ हो गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से मौजूदा और नए ग्राहकों के लिए बिक्री की मात्रा में वृद्धि के साथ–साथ कुछ उत्पाद मूल्य समायोजनों से हुई है। इसके अतिरिक्त, कॉनकॉर्ड बायोटेक के लाभ में कर के पश्चात 37.24: की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो वित्तीय वर्ष 2022 में घ174.93 करोड़ की तुलना में वित्तीय वर्ष 2023 में 240.08 करोड़ तक पहुंच गया। कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, और जेफरीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर्स हैं और लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ऑफर के रजिस्ट्रार हैं। इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

सिद्धांत समाचार
बुधवार २ अगस्त २०२३

संसद न चलने देने की जिद

देश को शर्मसार करने वाली मणिपुर की घटना का वीडियो आने के बाद कांग्रेस सहित नए बने विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए यानी इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस के घटकों ने जिस तरह संसद न चलने देने की ठानी, उसे सही ठहराना मुश्किल है, क्योंकि समय की मांग यही थी कि इस घटना पर संसद में तत्काल गहन चर्चा होती। हालांकि उक्त वीडियो सामने आते ही प्रधानमंत्री ने मीडिया के सामने आकर घटना की भर्त्सना करते हुए यह कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा, लेकिन विपक्ष इससे संतुष्ट नहीं हुआ। वह इस पर अड़ गया कि संसद में मणिपुर पर चर्चा तब होने दी जाएगी, जब पहले प्रधानमंत्री अपना बयान देंगे। इसे लेकर भी पक्ष–विपक्ष में टकराव हो गया कि मणिपुर पर बहस किस नियम के तहत हो। इस टकराव के बीच गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में चर्चा शुरू करने की कोशिश की, लेकिन विपक्ष ने अपने हंगामे से उसे नाकाम कर दिया और तर्क यह दिया कि उनकी कथनी–करनी में अंतर है। साफ है कि विपक्ष को संसद ठप करने का बहाना चाहिए था। वह गृह मंत्री को सुनने के लिए तैयार नहीं हुआ। फिर वह सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ले आया, जिसे मंजूरी भी मिल गई और यह भी तय हो गया कि जल्द ही उस पर बहस होगी। इसके बाद संसद चलने दी जानी चाहिए थी, लेकिन विपक्ष हंगामा करने को ही प्राथमिकता देता रहा। मजबूरी में सरकार को हंगामे के बीच विधेयक पेश और पारित कराने पड़ रहे हैं। यह विचित्र है कि विपक्ष इसे लेकर शिकायत भी कर रहा है और चर्चा में भी भाग नहीं ले रहा है। पिछले कुछ समय से यह देखने को मिल रहा है कि संसद का प्रत्येक सत्र शुरू होते ही विपक्ष किसी न किसी मुद्दे पर हंगामा शुरू कर देता है और सदन नहीं चलने देता। यह महज दुर्योग नहीं हो सकता कि संसद सत्र शुरू होने के ठीक पहले ऐसा कोई मामला आ जाता है, जिससे विपक्ष को हंगामा करने में आसानी होती है। कभी पेगासस जासूसी मामला सामने आया तो कभी अदाणी समूह को लेकर अमेरिकी संस्था हिंडनबर्ग की रपट। किसी न किसी मुद्दे को लेकर विपक्ष जिस तरह हंगामा करने को तरजीह देने लगा है, उससे तो यही लगता है किसंसद चलाने में उसकी दिलचस्पी ही नहीं रही। लगता है वह इससे अनजान है कि जरूरी विधेयक समय रहते पारित न होने से देश के काम रुकते हैं। विपक्ष को यह आभास होना चाहिए कि जनता यह अच्छे से देख और समझ रही है कि वह किसी न किसी बहाने संसद को नहीं चलने देना चाहता। इसके कहीं कोई प्रमाण नहीं कि किसी दल ने संसद में हंगामा करके राजनीतिक लाभ हासिल किया हो या फिर अपनी लोकप्रियता बढ़ाने में सफल रहा हो। यह ठीक है कि लोकसभा चुनाव करीब आ रहे हैं, लेकिन यदि विपक्ष यह आशा कर रहा है कि संसद को बाधित कर वह अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत कर रहा है तो यह उसकी भूल ही है। उसे यह पता होना चाहिए कि पिछले लोकसभा चुनाव के पहले लाए गए अविश्वास प्रस्ताव का क्या हश्र हुआ था। 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने 2014 के मुकाबले कहीं अधिक सीटों पर जीत हासिल की थी। विपक्ष को पता है कि इस बार भी अविश्वास प्रस्ताव में उसे पराजय का सामना करना पड़ेगा, लेकिन पता नहीं क्यों वह उसे अपनी जीत समझ रहा है? निःसंदेह उसने अविश्वास प्रस्ताव पर सरकार को घेरने के लिए अपनी तैयारी कर ली होगी, लेकिन सत्तापक्ष भी तो तैयारी कर रहा होगा। यह तय है कि सरकार भी विपक्ष को आईना दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ने वाली। वह मणिपुर पर बयान देने के साथ विपक्ष शासित राज्यों और खासकर बंगाल की घटनाओं का भी उल्लेख कर सकती है। जहां तक मणिपुर में दो महीने से जारी हिंसक टकराव की बात है, वह वास्तव में गंभीर है, लेकिन वहां के इतिहास को देखें तो विभिन्न गुटों के बीच पहले भी हिंसक टकराव होते रहे हैं। एक समूह के लोग दूसरे के बैरी बन जाते रहे हैं। इस बैर भाव के कारणों की तह तक जाना और उस पर सार्थक चर्चा जरूरी है। यह तभी संभव है, जब सदन में खुलकर चर्चा हो। कांग्रेस को यह याद रखना चाहिए कि मणिपुर में उसके शासन के समय जब–जब हिंसा हुई तब–तब क्या तत्कालीन प्रधानमंत्री ने संसद में चर्चा की शुरुआत की। 1993 में मणिपुर में नगा–कुकी के बीच संघर्ष में करीब सात सौ लोग मारे गए थे। तबके केंद्रीय गृह राज्य मंत्री वहां गए अवश्य थे, लेकिन चंद घंटों के लिए, जबकि इस बार गृह मंत्री अमित शाह वहां चार दिन रहे। इस दौरान उन्होंने वहां सभी समुदायों से संवाद किया। उन्होंने गृह राज्य मंत्री को भी वहां 22 दिनों के लिए भेजा। केंद्र से अधिकारी भी वहां भेजे। स्पष्ट है कि गृह मंत्री ने मणिपुर की हिंसा थामने के लिए भरसक प्रयास किए। कांग्रेस का यह आरोप निराधार ही है कि प्रधानमंत्री ने कुछ नहीं किया, क्योंकि वह नियमित तौर पर वहां के हालात की समीक्षा करते रहे। यह आरोप सस्ती राजनीति के अलावा और कुछ नहीं कि प्रधानमंत्री मणिपुर की स्थिति नियंत्रित नहीं करना चाहते थे। वह तो पूर्वोत्तर के राज्यों को मुख्यधारा में लाने के प्रयास 2014 से ही कर रहे हैं। इससे वहां बदलाव भी आया है और वह दिख भी रहा है। चूंकि संसद में इस या उस बहाने हंगामा करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, इसलिए समय आ गया है कि ऐसी कोई व्यवस्था बने, जिससे संसद राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदार सही से कर सके। कोई भी समस्या हो, उस पर संसद में चर्चा होनी चाहिए, न कि हंगामा। विडंबना यह है कि अब हंगामा अधिक होता है और काम कम। कई बार तो पूरा का पूरा सत्र हंगामे की भेंट चढ़ जाता है। इससे संसद की गरिमा गिरती है और लोकतंत्र की बदनामी होती है। अब यह आवश्यक हो गया है कि जो भी सांसद संसद न चलने दे, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। ऐसे नियम–कायदे बनने चाहिए जिससे सदन की कार्यवाही बाधित न होने पाए, क्योंकि लगातार ऐसा होने से लोकतंत्र का उपहास ही नहीं उड़ता, देश का विकास भी थमता है।

कैसे निभेगा कांग्रेस और आप का साथ

दिल मिले न मिले, हाथ मिलाते रहिए वाली कहावत कांग्रेस और आम आदमी पार्टी यानी आप के रिश्ते पर सटीक बैठती, पर विडंबना है कि कांग्रेस की राज्य इकाइयां इसके लिए तैयार नहीं दिखतीं। अरविंद केजरीवाल के विरुद्ध दिल्ली कांग्रेस तो शुरू से मुखर रही है, लेकिन 18 जुलाई को बेंगलुरु में इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस यानी 'इंडिया' की घोषणा के बाद पंजाब कांग्रेस ने भी मोर्चा खोल दिया है। देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल के इतिहास में शायद ही ऐसा दूसरा उदाहरण मिले, जब राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा किए गए गठबंधन को किसी प्रदेश इकाई ने इस प्रकार नामंजूर कर दिया हो। पंजाब कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गठबंधन को अस्वीकार करते हुए न सिर्फ पत्र लिखा, बल्कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात भी की। बाजवा ने सार्वजनिक रूप से कहा कि हम आम आदमी पार्टी वालों का चेहरा देखने को भी तैयार नहीं। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने भी साफ कर दिया कि मुख्य विपक्षी दल के रूप में सार्वजनिक मुद्दों पर सरकार के विरुद्ध लड़ाई जारी रखेंगे। आप के शासनकाल में कांग्रेस के कई पूर्व मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के आरोपों में कसता शिकंजा भी बड़ा मुद्दा है। आश्चर्य नहीं कि शिरोमणि अकाली दल और भाजपा ने इस रिश्ते पर तरह–तरह के कटाक्ष करते हुए सवाल दागना शुरू कर दिया है। यह अप्रत्याशित भी नहीं है। राजनीति समेत जीवन में कहीं भी कटुता अच्छी चीज नहीं है, लेकिन कांग्रेस और आप के रिश्ते में तो कटुता के अलावा कुछ और रहा ही नहीं। यह अकारण भी नहीं है। अन्ना आंदोलन तथा उसके बाद टीम केजरीवाल द्वारा बनाई गई आप के निशाने पर सबसे ज्यादा कांग्रेस ही रही। कांग्रेस ही उस समय केंद्र में संप्रग सरकार का नेतृत्व कर रही थी, इसलिए भ्रष्टाचार समेत तमाम मुद्दों पर उसका निशाने पर रहना स्वाभाविक भी था, लेकिन आप ने जिस तरह पहले दिल्ली और पंजाब की सत्ता कांग्रेस से छीनी, उसका राजनीतिक संदेश बहुत स्पष्ट है। निश्चय ही कांग्रेस सरकारें जन आकांक्षाओं पर खरा उतरने में नाकाम रही होंगी। तभी मतदाताओं ने उन्हें चलता कर दिया। कांग्रेस पहले भी कई राज्यों में सत्ता से बेदखल होती रही है, लेकिन दिल्ली और पंजाब के जनादेश में कांग्रेस के लिए ज्यादा खतरनाक संकेत यह निहित रहा कि मतदाताओं ने परंपरागत विकल्प के बजाय एक नए दल के लोकलुभावन वादों पर दांव लगाया। पंजाब में तो दिल बहलाने के लिए कांग्रेस किसी तरह मुख्य विपक्षी दल बन गई, पर दिल्ली में वह पूरी तरह हाशिये पर खिसक गई है। यह गंभीर चिंतन का विषय है कि इसमें पहली बार केजरीवाल को सरकार बनाने के लिए कांग्रेस द्वारा दिए गए समर्थन की कितनी भूमिका रही? अपनी दुर्दशा के लिए खुद कांग्रेसी भी कम जिम्मेदार नहीं। ध्यान रहे विधानसभा चुनावों में नकार देने के बावजूद दिल्ली के मतदाता लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को भाजपा के बाद दूसरी पसंद के रूप में देखते रहे। संभव है कि सीट बंटवारे में कांग्रेस को आप से ज्यादा सीटें मिल जाएं, पर विधानसभा में क्या होगा? सबसे बड़ा सवाल यह कि जिस आप सरकार के विरुद्ध कांग्रेसी अब तक मोर्चा खोले रहे, अब उसी के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ते हुए किस मुंह से वोट मांगेंगे? पंजाब में तो और भी बड़ा संकट है। सत्तारूढ़ और मुख्य विपक्षी दल के रूप में अब तक एक–दूसरे के विरुद्ध मोर्चा खोले रहे ये दोनों जब मिल जाएंगे तो शिरोमणि अकाली दल और भाजपा को विपक्ष का मैदान खुला मिल जाएगा। बुरे वक्त में भी 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पंजाब की 13 में से आठ सीटें जीतने में सफल रही थी। हालांकि, तब कैप्टन अमरिंदर सिंह मुख्यमंत्री थे और सुनील जाखड़ प्रदेश अध्यक्ष, जिन्हें अपमानित कर कांग्रेस ने भाजपा में जाने को मजबूर कर दिया। 2019 में अकाली दल–भाजपा गठबंधन था और दोनों ही दलों के हिस्से दो–दो सीटें आई थीं, जबकि उससे पहले चार सीटें जीतने वाली आप संगरूर की सीट तक सिमट गई थी और भगवंत मान के मुख्यमंत्री बनने पर हुए उपचुनाव में वह उसे भी हार गई। हां, बाद में हुए एक और उपचुनाव में उसने जालंधर लोकसभा सीट अवश्य कांग्रेस से छीन ली। दिल्ली की तरह पंजाब में भी आप, कांग्रेस को ज्यादा लोकसभा सीटें दे सकती है। शायद यही इस गठबंधन का आधार भी है, पर फिर इन दोनों राज्यों की राजनीति में कांग्रेस अपने पैरों पर खड़ी कैसे हो पाएगी? जिन विधानसभा सीटों पर आप लड़ेगी और जीतेगी, वहां कांग्रेसी नेता और संगठन कैसे टिक पाएंगे, क्योंकि आम आदमी पार्टी ने अपनी राजनीतिक सफलता का सफर अभी तक तो कांग्रेस की कीमत पर ही तय किया है। दरअसल दिल्ली और पंजाब ही नहीं, गोवा और गुजरात में भी चुनावी मैदान में आम आदमी पार्टी की मौजूदगी ने कांग्रेस का बेड़ा गर्क किया है। गोवा विधानसभा चुनाव में आप को 6.7 प्रतिशत वोट मिले तो कांग्रेस के 4.9 प्रतिशत वोट कम हो गए। इसी तरह गुजरात विधानसभा चुनाव में भी अगर आप को 12.9 प्रतिशत वोट मिले, तो कांग्रेस के 14.2 प्रतिशत वोट कम हो गए। जाहिर है, आम आदमी पार्टी किसी दूसरे दल से ज्यादा कांग्रेस के जनाधार में सेंध लगा रही है। इस वास्तविकता से न तो कांग्रेस मुंह चुरा सकती है और न ही आप। यदि फिर भी कांग्रेस के दिल्ली और पंजाब के नेताओं की राय को दरकिनार कर हाथ मिलाए गए हैं तो साफ है कि कांग्रेस ने पुनरुत्थान की आस छोड़ दी है या फिर आप ने परंपरागत राजनीति का विकल्प बनने का इरादा त्याग दिया है।

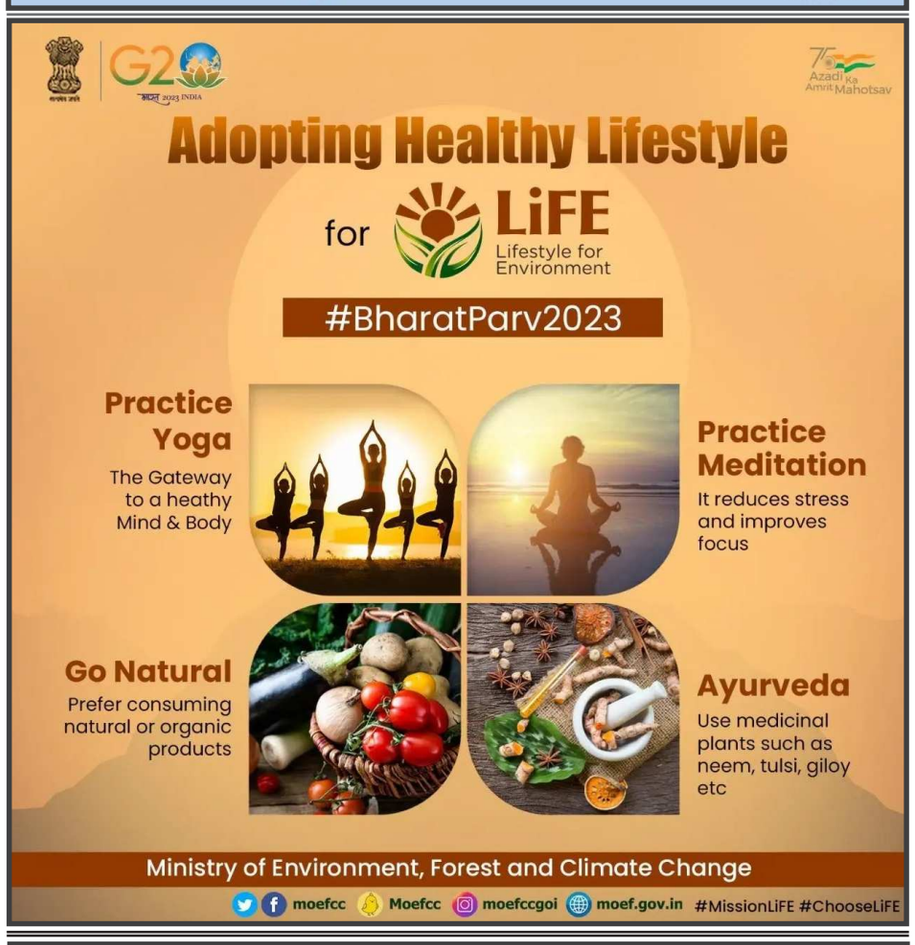

यह समाचार पत्र प्रकाशक, मुद्रक, मालिक व संपादक : श्री राजेंद्र सिंह यादव द्वारा, सिद्धांत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सुदंबरे, चाकन – तलेगांव रोड, पुणे – ४१२१०६ से प्रकाशित किया जाता है।
RNI NO.MAH HIN/2005/15277
www.siddhantsamachar.com / E-mail : siddhantsamacharpune@gmail.com / Phone : 9 8707 99 813
इस अखबार में छपी सभी खबरों के लिए संपादक सहमत है ऐसा नहीं। न्यायालयीन विवाद के लिए कार्यक्षेत्र पुणे रहेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक और राजस्थान की कांग्रेस सरकारों पर जमकर साधा निशाना

पुणे – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को पुणे के शिवाजी नगर पुलिस मुख्यालय पहुंचे. इससे पहले पीएम मोदी को पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया. उन्होंने लोकमान्य तिलक के नाम से मशहूर स्वतंत्रता सेनानी बाल गंगाधर तिलक को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी. पुणे के शिवाजी नगर पुलिस मुख्यालय के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक और राजस्थान की कांग्रेस सरकारों पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि एक तरफ हम पुणे में विकास होते देख सकते हैं और दूसरी तरफ हम देख सकते हैं कि बेंगलुरु में क्या हो रहा है. बेंगलुरु एक प्रमुख आईटी हब है, वहां तेजी से विकास होना चाहिए था. लेकिन वहां जिस प्रकार की घोषणाएं करके सरकार बनाई गई उसके दुष्परिणाम इतने कम समय में आज पूरा देश देख रहा है. कर्नाटक सरकार खुद मान रही है कि उनके पास बेंगलुरु या कर्नाटक के विकास के लिए पैसे नहीं है और यही हाल राजस्थान का भी है, वहां कर्ज बढ़ता जा रहा है और कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है. इस बीच देखा जाए तो पीएम मोदी ने पुणे में कई कार्यक्रमों में शिरकत की. उन्होंने पुणे के दगडूशेठ हलवाई गणेश मंदिर में पूजा भी की. दिल्ली से आने के तुरंत बाद पीएम मोदी ने शिवाजी रोड पर प्रसिद्ध गणेश मंदिर का दौरा किया. मंदिर के ट्रस्टियों ने कहा कि वह मंदिर का दौरा करने और पूजा करने वाले पहले सेवारत पीएम बन गए हैं. इस मौके पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार, महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस और ट्रस्टी सुशील कुमार शिंदे सहित अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे.

शरद पवार ने पीएम मोदी के साथ साझा किया मंच

पुणे – प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शरद पवार का एक मंच पर साथ आना शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) और कांग्रेस को रास नहीं आ रहा है। विपक्ष ने पवार से इस समारोह में न जाने का अनुरोध किया है। इस संबंध में उद्धव ठाकरे ने उन्हें संदेश भी भेजा था। लेकिन शरद पवार ने उद्धव और 'इंडिया' गठबंधन की पार्टियों की मांग को खारिज कर दिया है। और वह पीएम मोदी के कार्यक्रम में शामिल हो गए। हाल ही में शरद पवार की मौजूदगी में बीजेपी के खिलाफ 'इंडिया' गठबंधन बनाया गया था। इसमें शरद पवार की पार्टी एनसीपी, शिवसेना (उद्धव गुट) और कांग्रेस समेत 26 दल शामिल है। इसी के चलते शरद पवार से उनके सहयोगियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में शामिल न होने का अनुरोध किया था। इस संबंध में उद्धव ठाकरे ने उन्हें खासतौर पर संदेश भी भेजा था। लेकिन शरद पवार अपने फैसले पर कायम रहे। इससे पहले अडानी–हिंडनबर्ग मुद्दे पर भी शरद पवार ने कांग्रेस से अलग रुख अपनाया था। जबकि वीर सावरकर के मामले में भी एनसीपी का राह कांग्रेस से अलग थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल से एनसीपी की आलोचना की थी। पीएम मोदी ने एनसीपी में भ्रष्टाचार की बात कही थी। उसके बाद पहली बार दोनों नेता एक मंच पर साथ आए हैं। एनसीपी में बगावत का बिगुल फूंकने वाले शरद पवार के भतीजे अजित पवार भी मंच पर उपस्थित रहे।

मामा का रिक्शा लेकर भागा भांजा हुआ गिरफ्तार

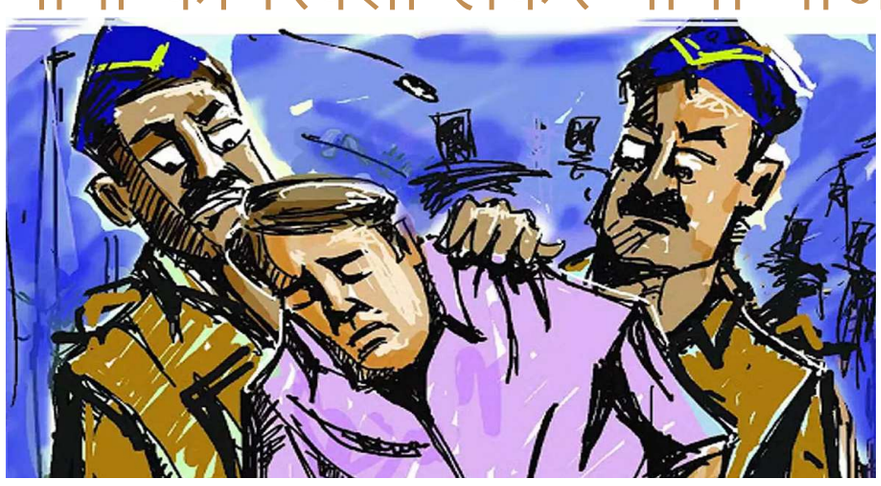

पुणे – गुंडा भांजे ने रिक्शा चालक मामा को बुलाया. मामा ने पैसे देने से इंकार कर दिया तो उसके साथ मारपीट कर जेब से जबरदस्ती पैसे निकाल लिए. इसके बाद उनका रिक्शा जबरन छीनकर ले गया. इस मामले में सचिन मदन बनसोडे (उम्र४४, नि. भोपले चौक, कैम्प) ने लष्कर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है. पुलिस ने भांजा आकाश गोरख कांबले (नि. भोपले चौक, कैम्प) को गिरफ्तार कर लिया है. उसके साथी अविनाश ऊर्फ बंड्या के खिलाफ केस दर्ज किया गया है. दोनों शातिर अपराधी है. यह घटना गोलीबार मैदान के पास कैन्टोंमेंट हॉस्पिटल के पास सोमवार की सुबह पौने 12 बजे हुई. इस मामले में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता सचिन बनसोडे रिक्शा चालक है. जबकि आकाश कांबले उनका भांजा है. कांबले ने शिकायतकर्ता को फोन कर बुलाया. उसके बुलाने पर बनसोडे रिक्शा लेकर वहां गए. वहां कांबळे ने उनसे एक हजार रुपए मांगे. उन्होंने पैसे देने से इंकार कर दिया तो कांबले ने मामा को रिक्शा से बाहर निकाल कर हाथ से थप्पड़ मारा. उनकी जेब से १ हजार ५० रुपए जबरदस्ती निकालकर ६ ाक्कामुक्की की. अविनाश ने मामा के हाथ से रिक्शा की चाबी छीन ली. इसके बाद दोनों आरोपी रिक्शा लेकर फरार हो गए. पुलिस ने आकाश कांबले को गिरफ्तार कर लिया है. सहायक पुलिस निरीक्षक गायकवाड मामले की जांच कर रहे है.

येरवड़ा परिसर में दो लाख का गांजा जब्त

पुणे – गांजा की तस्करी करने वाले एक व्यक्ति को पुणे पुलिस की क्राइम ब्रांच के एंटी नारकोटिक्स यूनिट– 2 ने गिरफ्तार किया है. आरोपियों के पास से पुणे में बिक्री के लिए लाया गया 2 लाख रुपये का गांजा जब्त किया गया है. यह कार्रवाई शुक्रवार, 28 जुलाई को येरवड़ा परिसर में श्मशान घाट के सामने की गई. गिरफ्तार आरोपी का नाम सोनू साहेबराव कोलसे (उम्र– 44 वर्ष, नि. सुभाष कॉलोनी, पोस्ट ऑफिस के पीछे, वार्ड नंबर 6, शेल्के अस्पताल के पास, श्रीरामपुर जिला नगर) है. एंटी नारकोटिक्स यूनिट येरवड़ा पुलिस स्टेशन की सीमा में पेट्रोलिंग कर रही थी. उसी दौरान पुलिस अधिकारी संदीप शेलके को सूचना मिली कि एक व्यक्ति येरवड़ा श्मशान घाट के सामने की सड़क पर गांजा बेचने आने वाला है. इसके बाद पुलिस ने श्मशान घाट के पास जाल बिछा कर और एक व्यक्ति को हिरासत में लिया. जब उसके पास मौजूद बैग की जांच की गई तो उसमें गांजा मिला. आरोपी के पास से 9 किलो 935 ग्राम गांजा, मोबाइल फोन, ट्रैवल बैग समेत कुल 2 लाख 9 हजार 200 रुपए का माल जब्त किया गया. आरोपी के खिलाफ येरवड़ा पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है. यह अकार्रवाई पुलिस आयुक्त रितेश कुमार, सह पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक, अपर पुलिस आयुक्त क्राइम रामनाथ पोकले, पुलिस उपायुक्त क्राइम अमोल जेंडे, सहायक पुलिस आयुक्त क्राइम– 2 सतीश गोवेकर, पुलिस निरीक्षक सुनील थोपटे के मार्गदर्शन में पुलिस उप निरीक्षक एस.डी. नारके, दिगंबर चव्हाण, पुलिस अंमलदार योगेश मंढारे. प्रशांत बोमादंडी, महेश सालुंखे, नितिन जगदाले, युवराज कांबले, संतोष देशपांडे और संदीप जाधव की टीम ने की.

ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने अपने खर्चे से सड़कों के गड्ढे पाटे

पुणे – पुणे के भोसरी यातायात विभाग में कार्यरत पुलिस कांस्टेबल दत्तात्रय किशन कावरे ने पुणे–नासिक हाइवे पर 4 जगहों पर सड़क पर बने गड्ढों को अपने खर्चे से भर दिया. इस दौरान कावरे को पुलिस की वर्दी में ही फावड़ा लेकर सड़क के गड्ढों को भरने का काम करते हुए देखा गया. पुलिस आयुक्त विनय कुमार चौबे ने इस काम के लिए कावरे की तारीफ की है. पुलिस कांस्टेबल दत्तात्रय कावरे भोसरी यातायात विभाग में कार्यरत हैं. इस दौरान पुणे–नासिक हाइवे पर विभिन्न जगहों पर ट्रैफिक कंट्रोल का काम उनके जिम्मे है. गुरुवार को मोशी टोलनाका के पास ट्रैफिक कंट्रोल करने का काम करते हुए उन्होंने देखा कि, पुणे से नासिक की ओर जाने वाली सड़क पर एक बड़ा–सा गड्ढा बन गया है. इसकी वजह से वाहन चालक अपने वाहन को उसके बाजू से लेकर जा रहे थे. दो लेन की ट्रैफिक एक ही लेन पर आ जाने के कारण वहां जाम की समस्या उत्पन्न हो रही थी. इसे देखते हुए कावरे ने अपने पैसे से एक ट्रैक्टर गिट्टी मंगाकर उस गड्ढे को भर दिया, जिससे वहां पर ट्रैफिक जाम की समस्या खड़ी नहीं हुई. गौरतलब है कि, इस सड़क पर रात के वक्त बड़ी संख्या में वाहनों का पुणे व नासिक के बीच तथा आसपास की विभिन्न कंपनियों में आने–जाने का सिलसिला लगा रहता है. इसी प्रकार तीन और गड्ढे क्रमशः हाइवे पर शिवाजी वाड़ी के पास, गुडविल चौक पर और कासारवाड़ी में नासिक फाटा के पास भी सड़क पर बन गए थे, जिसे कावरे ने अपने खर्चे से भरा. पुलिस वर्दी में फावड़ा लेकर कावरे द्वारा खुद ही इन गड्ढों को भरने की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जहां लोग कावरे की तारीफ कर रहे हैं. इस बीच, पुलिस आयुक्त विनयकुमार चौबे ने कावरे की तारीफ करते हुए कहा कि, अपनी ड्यूटी की परिधी से बाहर जाकर हमारे कांस्टेबल द्वारा इस प्रकार समाज की सेवा के काम करना प्रशंसनीय है. इससे प्रेरणा लेकर पुलिस विभाग के अन्य सभी लोगों को भी इसी प्रकार से आम जनता की सेवा करनी चाहिए.

बड़े हमले की योजना बना रहे थे आतंकी पुणे में गिरफ्तार

पुणे – महाराष्ट्र पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) के अधिकारियों को पुणे में गिरफ्तार दो संदिग्ध आतंकियों के अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन से संबंध होने का संदेह है। गिरफ्तार आतंकियों के पास से विस्फोटक, लैपटाप, ड्रोन के हिस्से, 500 जीबी डाटा के साथ इलेक्ट्रानिक उपकरण, अरबी में लिखी किताबें और तंबू आदि बरामद हुए हैं, जिनसे अंदाजा लगाया गया कि वे कहीं बड़े हमले की योजना बना रहे थे। दरअसल, जयपुर बम धमाके में वांछित 23 वर्षीय मोहम्मद यूनुस खान और 24 वर्षीय मोहम्मद याकूब साकी को पुणे पुलिस ने 18 जुलाई को कोथरुड में वाहन चोरी के शक में हिरासत में लिया था। बाद में पूछताछ में पता चला कि दोनों इस्लामिक स्टेट (आइएस) से प्रेरित आतंकी संगठन अल सूफा के सदस्य हैं और राजस्थान की राजधानी जयपुर में 2008 में हुए सीरियल बम धमाकों के मामले में एनआइए की वांछितों की सूची में शामिल हैं। इसके बाद एटीएस और एनआइ आतंकियों से पूछताछ कर रही है। फिलहाल, दोनों पांच अगस्त तक पुलिस हिरासत में हैं। गिरफ्तार दोनों आतंकी संदिग्ध ा मध्य प्रदेश के रतलाम के रहने वाले हैं। राजस्थान पुलिस ने अल–सूफा के कुछ संदिग्धों को गिरफ्तार किया था। उसमें दोनों का नाम एक आतंकी मामले की जांच में सामने आया था। उसके बाद दोनों रतलाम से भागकर पुणे में आकर छिप गए थे। महाराष्ट्र एटीएस ने दोनों की आर्थिक मदद के आरोप में रत्नागिरी से पुणे के अब्दुल कादिर दस्तगीर पठान को गिरफ्तार किया है। पठान की मदद से ही दोनों पुणे पहुंचे थे और इससे पहले कई महीने से मुंबई के भिंडी बाजार में छिपकर रहे थे।

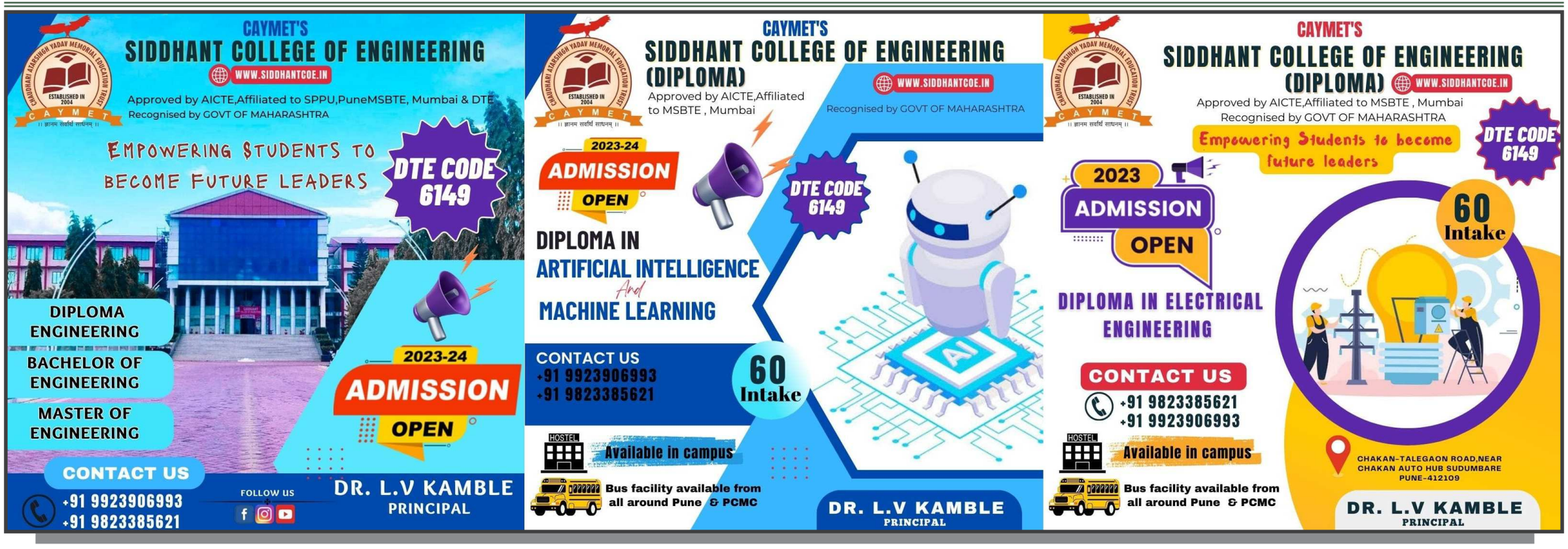

खेल–सिनेमा

कोच्चि और मुंबई ने प्रो पंजा लीग में हासिल की दूसरी जीत

प्रो पंजा लीग के पहले सीजन के चौथे दिन सोमवार को कोच्चि केडीज और मुंबई मसल टीमों ने बड़ी जीत दर्ज की। दिन के पहले मैच में लुधियाना लायंस का मुकाबला कोच्चि केडीज से हुआ। लुधियाना लायंस के लिए सबसे पहले 100 प्लस किग्रा भार वर्ग के मुकाबले में दिलशाद एमए का मुकाबला कोच्चि केडीज के मजाहिर सैदु से हुआ। मजाहिर ने पूरे एकाधिकार के साथ मुकाबला जीतकर अपनी टीम को खुशी मनाने का मौका दिया और कोच्चि केडीज के लिए 10 बोनस अंक अर्जित करने के लिए चौलेंजर राउंड भी जीता। इसके बाद, लुधियाना लायंस के विश्वजीत डोली का 100 प्लस किग्रा वर्ग के मुकाबले में कोच्चि केडीज के प्रसेनजीत पात्रा से मुकाबला हुआ। पहले राउंड में, प्रसेनजीत ने जीत हासिल करने के लिए अपने फोरहैंड पावर का इस्तेमाल किया और फिर दूसरे राउंड में, प्रसेनजीत ने विश्वजीत द्वारा किंग के मूव को रोक दिया, लेकिन विश्वजीत अपने अनुभव से लुधियाना लायंस के लिए एक अंक सुरक्षित करने में सफल रहे। तीसरे और चौथे राउंड में, प्रसेनजीत ने शानदार शक्ति के साथ कोच्चि केडीज को दो अंक अर्जित करने में मदद की। 60 किग्रा के अगले मुकाबले में अरुण एस कार्तिक ने स्ट्रेट राउंड में मुकाबला जीता। अंडरकार्ड मुकाबलों में कोच्चि केडीज के सनी कपूर, शिवा और अभिषेक प्रकाश ने एक–एक अंक अर्जित कर अपनी टीम को 3–0 की बढ़त दिला दी। इसी के साथ कोच्चि केडीज ने 21–1 के स्कोर के साथ मैच जीत लिया। दूसरे मैच में, रोहतक राउडीज ने अंडरकार्ड में 2–1 की बढ़त हासिल की, जिसमें मनीष सिंह और निर्मल देवी ने दो अंक अर्जित किए। युवराज वर्मा ने मुंबई को एक अंक दिलाया। मेन कार्ड में, 80 किग्रा मुकाबले में रोहतक के आर्यन कंदार का मुकाबला मुंबई के सोनू चौरसिया से हुआ। आर्यन ने कुछ गलतियां कीं, जिससे मुंबई मसल को 6 बोनस अंक अर्जित करने में मदद मिली। अंत मुंबई मसल ने 22–4 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने नीदरलैंड को 2–1 से हराया

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को यहां स्पेन हॉकी महासंघ की 100वीं वर्षगांठ पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में तीसरे और चौथे स्थान के मुकाबले में गत एफआईएच हॉकी प्रो लीग चैंपियन नीदरलैंड को 2–1 से हराया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह (15वें मिनट) और दिलप्रीत सिंह (50वें मिनट) ने भारत के लिए गोल दागे। नीदरलैंड की ओर से एकमात्र गोल थियेरी ब्रिंकमैन ने 25वें मिनट में किया। मैच में सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर पर हुए। भारतीय टीम अब मंगलवार तड़के चेन्नई पहुंची जहां उसे मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में तीन अगस्त से एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी में हिस्सा लेना है।

यूनिवर्सिटी खेलों में भारतीय तीरंदाजों और निशानेबाजों ने जीते और छह पदक

भारतीय निशानेबाजों और तीरंदाजों ने चीन के चेंगडू में हो रहे यूनिवर्सिटी खेलों में सोमवार को छह पदक और जीते। निशानेबाज ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और दिव्यांश, अर्जुन बाबूता ने दस मीटर एयर राइफल पुरूष टीम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। दोनों ने 1894.7 का स्कोर किया जबकि चीन के शिनमियाओ, सोंग बुहार और झू शियाओझोंग ने 1881.9 अंक के साथ रजत पदक जीता। कजाख्स्तान तीसरे स्थान पर रहा। पुरूषों के व्यक्तिगत वर्ग में ऐश्वर्य ने 252.6 अंक के साथ पीला तमगा जीता जबकि दिव्यांश को रजत पदक मिला। चीन के बुहान तीसरे स्थान पर रहे। कंपाउंड तीरंदाजी में भारत को दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक मिला। अवनीत कौर ने अमेरिका की एलिसा ग्रेस स्टरगिल को हराकर महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। वहीं पुरूषों के व्यक्तिगत वर्ग में संग्रामप्रीत बिस्ला को स्वर्ण और अमन सैनी को कांस्य पदक मिला। भारत नौ स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य समेत 17 पदक लेकर तालिका में जापान के साथ दूसरे स्थान पर है। चीन 21 पदक लेकर शीर्ष पर है।

गोवा चैलेंजर्स ने जीता खिताब

अल्वारो रोबेल्स, हरमीत देसाई और रीथ टेनिसन के शानदार प्रदर्शन की बदौलत गोवा चैलेंजर्स ने कड़े फाइनल में रविवार को यहां गत चैंपियन चेन्नई लायंस को 8–7 से हराकर अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) के चौथे सत्र का खिताब जीता। हरमीत ने बेनेडिक्ट डुडा के प्रतियोगिता में अजेय अभियान को 2–1 की जीत के साथ रोका। रोबेल्स ने भारत के स्टार अचंत शरत कमल को 3–0 से हराया। टेनिसन ने इसके बाद बेहद दबाव भे अंतिम मैच में जीत दर्ज करके अपनी टीम को खिताब दिलाया।

सोनी सब के वंशज में, आकांक्षा पुरी महाजन ग्रुप की 75वीं वर्षगांठ पर शानदार परफॉर्मेंस देती नजर आएंगी

एक चमचमाते और ग्लैमरस अनुभव के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि महाजन परिवार अपनी असाधारण 75वीं व्यावसायिक वर्षगांठ को भव्य तरीके से मनाने के लिए तैयार है! सोनी सब के वंशज ने अपनी मनोरंजक कहानी, पारिवारिक राजनीति और एक अमीर व्यावसायिक परिवार के भीतर जटिल रिश्तों के ताने–बाने से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। स्क्रीन पर अपने मनमोहक प्रदर्शन के लिए प्रसिद्ध, प्रतिभाशाली और सुंदर एक्ट्रेस आकांक्षा पुरी अपने मंत्रमुग्ध कर देने वाले अभिनय से दर्शकों को बांधे रखने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, और पहले से ही रोमांचक कार्यक्रम में मनोरंजन की अतिरिक्त तड़का लगाने का वादा करती हैं। वह निश्चित रूप से इस महत्वपूर्ण अवसर पर अपने करिश्मे और प्रतिभा से अमिट छाप छोड़ेंगी। जैसे–जैसे महाजन समूह का बहुप्रतीक्षित 75–वर्षीय उत्सव नजदीक आ रहा है, युविका (अंजलि तत्रारी द्वारा अभिनीत) एक वीडियो प्रजेंटेशन के माध्यम से समूह के सफर का जश्न मनाने की तैयारी कर रही है। दुर्भाग्य से, सब कुछ योजना के अनुसार नहीं होता है और भले ही हर किसी पर संदेह किया जाता है, लेकिन सीधे तौर पर दोषी युविका बन जाती है! आकांक्षा पुरी ने अपना उत्साह साझा करते हुए कहा, "मैं महाजन समूह की 75वीं वर्षगांठ समारोह में प्रदर्शन करने का यह अद्भुत अवसर पाकर बिल्कुल रोमांचित हूं। मेरे लिए उत्सव का हिस्सा बनने और महाजन परिवार व अन्य मेहमानों के साथ थिरकने की प्रतीक्षा करना मुश्किल है। मुझे उम्मीद है कि मैं अपने प्रदर्शन से दर्शकों का मनोरंजन कर सकूंगी! शो वंशज का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लग रहा है, जो अपनी दिलचस्प कहानी से शानदार प्रतिक्रिया पा रहा है और कई उतार–चढ़ावों से भरा हुआ है। मैं उत्सुकता से कास्ट में शामिल होने का इंतजार कर रही हूं क्योंकि हम महाजन समूह की असाधारण सफलता और 75 गौरवशाली वर्षों की विरासत का जश्न मनाने के लिए एकजुट होंगे!" सोनी सब का वंशज प्रत्येक सोमवार से शनिवार रात 10 बजे देखें

संजय दत्त ने अपने घर पर किया शिव पूजा का आयोजन

संजय दत्त इन दिनों अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में एक्टर का थलपति विजय और तृषा कृष्णन स्टारर फिल्म 'लियो' और 'डबल आईस्मार्ट' से पहला लुक शेयर किया जा चुका है। 'डबल आईस्मार्ट' ब्लॉकबस्टर 'आईस्मार्ट शंकर' का अगला सीक्वल है। संजू बाबा के ये लुक सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। फैंस को एक्टर का नया अवतार बहुत पसंद आ रहा है। संजय दत्त बहुत बड़े शिव भक्त हैं। एक्टर ने सोमवार को मुंबई में अपने घर पर शिव पूजा का आयोजन किया। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पूजा की शानदार तस्वीरें शेयर की है। एक्टर ने तस्वीरों में पूजा की झलक फैंस के साथ शेयर की है। इन फोटोज में वह भगवान शिव की पूजा करते नजर आ रहे हैं। ये फोटोज सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रही है। इस पूजा को एक्टर ने घर की छत पर आयोजित किया गया था। तस्वीरों में कई पंडित एक्टर के आस पास पूजा करते नजर आ रहे हैं। संजय ने पूजा के दौरान सफेद कुर्ता पायजामा पहना हुआ है। संजू बाबा ने हर साल की तरह इस साल भी भगवान शिव की पूजा पूरी विधि–विधान से की है। संजय ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'आज शानदार शिव पूजा की, हर हर महादेव!' इस पोस्ट पर उनके फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा, शूटिंग में बिजी होने के बाद भी आपने सावन में बहुत अच्छे से शिव पूजा की। कुछ ने कमेंट में 'हर–हर महादेव', 'जय महाकाल' और 'जय हो शिव शंकर' की लिखा है। संजय दत्त ने झलथ चौप्टर 2 से कन्नड़ फिल्मों में डेब्यू किया। वहीं अब वो तमिल फिल्मों में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म 'लियो' 19 अक्टूबर 2023 को रिलीज होगी। इस फिल्म में एक्टर विलेन का किरदार निभाते नजर आएंगे।